सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 123 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 9 जून, 2026
मूल्य ₹ 3/-

एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश कितनी दूर तक जाता है, इसी तरह इस बुरी दुनिया में एक अच्छा काम चमचमाता है।
-विलियम शेक्सपीयर

मानव सुथार का डेयू मैच में ही... 7 | अब छिड़ेगा रास चुनाव का संग्राम... 3 | सभी दलों को एकजुट रखना बड़ी... 2

सत्यमेव जयते

सवालों के कटघरे में अंजना के आरोपों का तूफान

दिल्ली के बाद पटना हाईकोर्ट से भी राहत भरी खबर

खान सर विवाद में राहत का नया अध्याय

» अंतरिम सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सत्यमेव जयते... भारतीय न्याय व्यवस्था के दरवाजे पर लिखे यह लफ्ज सिर्फ एक आदर्श नहीं है बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। और जब आरोपों, अभियोगों, सोशल मीडिया की सनसनी और टीवी स्टूडियो की गर्म बहसों के बीच अदालत का दरवाजा खुलता है तब फैसला भावनाओं से नहीं बल्कि कानून से होता है।

खान सर विवाद में बीते कुछ दिनों से जिस तरह का राजनीतिक सामाजिक और मीडिया तूफान खड़ा किया गया उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। टीवी एंकर अंजना ओम कश्यप द्वारा खान सर, 4PM के संपादक संजय शर्मा और अन्य शिक्षाविदों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किए जाने के बाद ऐसा माहौल बनाया गया मानो अदालत के दरवाजे खुलते ही एक पक्ष पूरी तरह धराशायी हो जाएगा। लेकिन न्यायालयों में फैसले नारों से नहीं बल्कि दस्तावेजों और दलीलों से लिखे जाते हैं। पहले दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। वहां अदालत ने वीडियो हटाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया। इसके बाद पटना हाई कोर्ट से आई खबर ने इस पूरे विवाद में एक नया मोड़ ला दिया। खान सर के वकील के अनुसार अदालत ने उन्हें अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है तथा फिलहाल किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई है। कानूनी दृष्टि से यह केवल एक आदेश नहीं बल्कि यह संकेत भी है कि अदालत पहले सभी तथ्यों और पक्षों को सुनना चाहती है।

संपादक संजय शर्मा के किसी भी वीडियो को हटाने से पहले ही कोर्ट कर चुका है मना

शिक्षा के ग्लोबल ब्रांड बन चुके हैं खान सर

खान सर का नाम पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा जगत में एक बड़े ब्रांड के रूप में उभरा है। लाखों छात्र उन्हें फॉलो करते हैं। दूसरी तरफ टीवी एंकर अंजना ओम कश्यप भी टीवी का जाना माना चेहरा है। ऐसे में जब दो सार्वजनिक चेहरे किसी विवाद में आमने-सामने आते हैं तो स्वाभाविक रूप से बहस का दायरा भी बढ़ जाता है। दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे प्रकरण ने मीडिया शिक्षा और सोशल मीडिया के बदलते समीकरणों को भी उजागर किया है। एक समय था जब राष्ट्रीय बहसों का केंद्र केवल समाचार चैनल हुआ करते थे। आज यूट्यूब और डिजिटल प्लेटफॉर्म भी उतने ही प्रभावशाली हो चुके हैं। ऐसे में टकराव केवल व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो प्रभावशाली संचार माध्यमों का भी दिखाई देता है। आने वाले दिनों में इस मामले की सुनवाई और भी महत्वपूर्ण हो सकती है। अदालत में प्रस्तुत दस्तावेज़, वीडियो, बयान और कानूनी दलीलें तय करेंगी कि इस विवाद का अंतिम निष्कर्ष क्या होगा। लेकिन तब तक यह मामला सार्वजनिक चर्चा का केंद्र बना रहेगा।

सोशल मीडिया के शोर और न्यायालय की गंभीरता में अंतर

यही वह बिंदु है जहां सोशल मीडिया के शोर और न्यायालय की गंभीरता के बीच का अंतर साफ दिखाई देता है। इंटरनेट की दुनिया में आरोप कुछ मिनटों में वायरल हो जाते हैं लेकिन अदालतें वायरल पोस्ट नहीं वैधानिक आधार देखती हैं। यही वजह है कि इस पूरे मामले ने एक बड़े सवाल को जन्म दिया है कि क्या सार्वजनिक जीवन में उठे हर विवाद का फैसला ट्रेंडिंग हैशटैग करेंगे या फिर अदालतें? फिलहाल तस्वीर साफ है। कानूनी लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है। अंतिम फैसला अभी दूर है। लेकिन इतना जरूर है कि पटना हाई कोर्ट से मिली अंतरिम राहत ने इस विवाद की दिशा बदल दी है और अब निगाहें अगली सुनवाई पर हैं। क्योंकि यह लड़ाई केवल कुछ व्यक्तियों के बीच का विवाद नहीं रह गई है बल्कि जटिल सवालों से जुड़ा एक बड़ा प्रकरण बन चुकी है।

खुलना शुरू हो गयी अंजना के आरोपों की परतें

खान सर विवाद का अध्याय अब अदालतों के गलियारों में प्रवेश कर चुका है और हर नई तारीख के साथ इस मामले की परतें खुलती जा रही हैं। जिस विवाद की शुरुआत सोशल मीडिया और सार्वजनिक बयानों से हुई थी वह अब कानूनी बहस के केंद्र में पहुंच चुका है। एंकर अंजना ओम कश्यप द्वारा दायर मानहानि मुकदमे ने इस प्रकरण को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया। एंकर अंजना को दिल्ली हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान वीडियो हटाने संबंधी तत्काल राहत नहीं मिली। उसके बाद पटना हाई कोर्ट से खान सर को मिली अंतरिम सुरक्षा ने पूरे विवाद को नई दिशा दे दी है। लॉ एक्सपर्ट के मुताबिक अदालतें अक्सर गंभीर विवादों में सभी पक्षों को सुनने के बाद ही कोई अंतिम निष्कर्ष निकालती हैं।

पटना हाईकोर्ट में डिटेल सुनवाई हो रही है आज

खान सर को कोर्ट से अंतरिम सुरक्षा मिल गई है। उनके वकील अरविंद कुमार महुआर ने जानकारी दी है कि खान सर को कोर्ट से अंतरिम सुरक्षा मिल गई है। कोर्ट ने अगली तारीख दे दी है। खान सर जहां चाहे आ जा सकते हैं। वकील ने बताया कि कानून के आधार पर खान सर को अंतरिम सुरक्षा मिली है। बता दें कि पुलिस की एक टीम खान सर की गिरफ्तारी के लिए लगाई गई थी। खान सर की ओर से पटना सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई जिस पर कल सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने सोमवार दोपहर 12:30 बजे सुनवाई की थी लेकिन तब फैसला नहीं दिया था। देर शाम आये फैसले में कोर्ट ने खान सर को राहत प्रदान की है। खान सर के वकील अरविंद कुमार महुआर ने कहा था कि ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर और अन्य लोगों पर खान सर के स्टाफ ने केस दर्ज कराया है। इसके बाद खान सर पर भी केस दर्ज हुआ है। अरविंद कुमार महुआर ने कहा था कि अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई है इस पूरे मामले में विस्तृत सुनवाई आज हो रही है। बता दें कि कोचिंग सेंटर पर हुए हमले को लेकर खान सर की तरफ से की गई शिकायत के बाद अन्य कोचिंग संचालक रौशन कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खान सर ने फायरिंग का दावा किया था लेकिन मामले की जांच के निष्कर्षों और बरामद हथियारों के आधार पर पुलिस ने खान सर और दो अन्य लोगों के खिलाफ उकसाने और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की थी। इसी मामले में पुलिस उनकी तलाश कर रही थी।

सभी दलों को एकजुट रखना बड़ी पार्टी की जिम्मेदारी : अखिलेश यादव

इंडिया गठबंधन की बैठक में सपा प्रमुख ने दिए सुझाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंडिया गठबंधन की बैठक में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सभी दलों की एकजुटता की बात करते हुए क्षेत्रीय दलों को उनकी क्षमता के अनुसार भागीदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने यूपी में आगामी आने वाले विधान सभा चुनाव पर भी चर्चा की।

वहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कांग्रेस, खासकर राहुल गांधी को स्पष्ट संदेश दिया कि विपक्षी एकता तभी मजबूत रह सकती है, जब क्षेत्रीय दलों को उनकी राजनीतिक ताकत के अनुरूप स्थान दिया जाए। अखिलेश ने द्रमुक और आम आदमी पार्टी की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विपक्षी दलों को साथ बनाए रखने की जिम्मेदारी कांग्रेस को निभानी होगी। उन्होंने संकेत दिया कि सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते कांग्रेस को अधिक उदार और समन्वयकारी भूमिका अपनानी चाहिए।

बैठक में अखिलेश ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कांग्रेस को पिछले लोकसभा चुनाव का गणित भी याद दिलाया। उन्होंने कहा कि सपा ने गठबंधन के तहत कांग्रेस को 17 सीटें दी थीं, जिनमें कांग्रेस छह सीटें जीतने में सफल रही। उनका संकेत साफ था कि गठबंधन की सफलता केवल कांग्रेस की नहीं, बल्कि क्षेत्रीय दलों के संगठन, कार्यकर्ताओं और सामाजिक आधार की भी देन थी। दरअसल, अखिलेश का यह बयान 27 के विधानसभा चुनाव से पहले अपनी राजनीतिक स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश भी है। सपा का संदेश साफ है कि उत्तर प्रदेश में विपक्षी राजनीति का केंद्र वही है और भविष्य के किसी भी सीट बंटवारे में उसकी भूमिका निर्णायक रहेगी।

तेजस्वी ने सपा प्रमुख का किया समर्थन

अखिलेश के सुर में सुर मिलाते हुए तेजस्वी यादव ने भी कहा कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों को अधिक राजनीतिक स्थान देना होगा। बिहार में भी सीटों के तालमेल और नेतृत्व की भूमिका को लेकर कांग्रेस और राजद के बीच खींचतान देखने को मिली है। बैठक में तेजस्वी ने संकेत दिया कि भाजपा के खिलाफ प्रभावी लड़ाई के लिए कांग्रेस को सहयोगी दलों की जमीनी ताकत और राजनीतिक वास्तविकताओं को स्वीकार करना होगा।

छात्रों के धरने को सपा विधायक का साथ

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों का अनिश्चितकालीन आंदोलन अब भी जारी रहा। आंदोलनकारी छात्र निष्कासन की कार्रवाई वापस लेने, निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने और बढ़ी हुई फीस तत्काल रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इस आंदोलन को विपक्षी पार्टी के नेताओं और विवि के पूर्व पदाधिकारियों का भी समर्थन मिल रहा है। सोमवार को सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा और सपा नेता शर्मिला महाराज के अलावा लविवि की पूर्व कुलपति प्रो. रूपरेखा वर्मा भी छात्रों से मिलने पहुंचीं।

कुलपति छात्र नेताओं का निष्कासन तत्काल वापस लें : रविदास मेहरोत्रा

विधायक रविदास मेहरोत्रा ने छात्रों की समस्याओं को सुना और उनकी न्यायपूर्ण मांगों का समर्थन किया। विधायक ने कुलपति से छात्र नेताओं का निष्कासन तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि निष्कासन वापस न होने पर वे सड़क से सदन तक छात्रों की आवाज उठाएंगे। लविवि की पूर्व कुलपति प्रो. रूपरेखा वर्मा ने भी छात्रों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लोकतांत्रिक मूल्यों और संवाद का संस्थान है। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष नीरज जैन ने भी निष्कासन को अन्यायपूर्ण बताया। छात्रों ने स्पष्ट किया कि उनका संघर्ष पूरी तरह लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण है। वे शिक्षा के अधिकार और छात्र हितों के लिए आवाज उठा रहे हैं। छात्रों का कहना है कि प्रशासन की ओर से की गई निष्कासन की कार्रवाई अन्यायपूर्ण है। फीस वृद्धि ने बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। धरने में निष्कासित छात्र प्रेम प्रकाश यादव, शशि प्रकाश और हर्षित शुक्ला के अलावा अन्य छात्र भी मौजूद रहे।

यूपीडा से नंदी की कमान वापस लेने पर सपा ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार ने राज्य की एक्सप्रेसवे और बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लेकर प्रशासनिक फेरबदल किया है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) का प्रशासनिक नियंत्रण औद्योगिक विकास विभाग से हटाकर अवस्थापना विकास विभाग को सौंप दिया गया है।

अवस्थापना विकास विभाग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास होने के कारण अब यूपीडा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण प्रस्ताव, फाइलें और निर्णय सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय के जरिये निस्तारित होंगे। इस बदलाव पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जब सारे 'घटिया एक्सप्रेसवे' बन गये और भ्रष्टाचार का आपसी लेनदेन का टारगेट पूरा हो गया तब हटाया तो क्या हटाया? वहीं, सचिवालय प्रशासन अनुभाग-1 (अधि.) की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन के मुताबिक यह फैसला विभागीय कार्यों में आ रही विसंगतियों, कार्य आवंटन में विरोधाभास और निर्णय प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से लिया गया है।

आदेश के अनुसार यूपीडा से संबंधित समस्त कार्य तत्काल प्रभाव से अवस्थापना विकास अनुभाग को आवंटित कर दिए गए हैं। इस फैसले के बाद औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' के पास से एक्सप्रेसवे परियोजनाओं से जुड़ी प्रशासनिक कमान हट गई है।

भाजपा के शासन में देश के संसाधनों संस्थाओं पर हमले जारी : संजय सिंह

आप सांसद बोले- भगवान श्रीराम के चढ़ावे पर भी डाका डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राम मंदिर में चढ़ावा गायब होने के मामले में सियासी तकरार अभी खत्म नही हुई है। सपा प्रमुख के बाद आप सांसद संजय सिंह ने कहा राम मंदिर चढ़ावा मामले में कहा कि इस मुद्दे पर भाजपा व ट्रस्ट को देश को जवाब देना चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या चंपत राय भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर हाथ रखकर सौगंध खाएं कि चढ़ावे में चोरी नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में देश के संसाधनों, संस्थाओं और जनता के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं, अब उसी दौर में भगवान श्रीराम के नाम पर श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए धन में चोरी के आरोप सामने आना अत्यंत शर्मनाक और चिंताजनक है। संजय सिंह ने बयान जारी कर कहा कि कल से पार्टी लगातार यह सवाल उठा रही है कि राम मंदिर के दान पात्र और चढ़ावे में गड़बड़ी हुई है। भाजपा के नेता और उनके समर्थक इन आरोपों को झूठ बताने में लगे थे, लेकिन अब सामने आ रही जानकारियों से स्पष्ट हो गया है कि चढ़ावे में चोरी के मामले में गिरफ्तारियां हुई हैं और जांच एजेंसियों को भी कार्रवाई करनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि जब देश के सामने तथ्य आ चुके हैं तो भाजपा और ट्रस्ट के जिम्मेदार लोगों को जवाब देना चाहिए। करोड़ों रामभक्त अपनी मेहनत की कमाई श्रद्धा के साथ भगवान श्रीराम के चरणों में अर्पित करते हैं। उस धन की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करना ट्रस्ट की जिम्मेदारी है। संजय सिंह ने कहा, भाजपा सरकार देश की संपत्तियों को बेचने में लगी रही, रेलवे बेची, हवाई अड्डे बेचे, बंदरगाह बेचे, सरकारी संस्थान बेचे, लेकिन अब अगर भगवान श्रीराम के चढ़ावे में भी चोरी के आरोप सामने आ रहे हैं तो यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर सीधा आघात है। देश जानना चाहता है कि आखिर यह सब कैसे हुआ और इसके जिम्मेदार कौन हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा राम के नाम पर वोट मांगती है, राम के नाम पर राजनीति करती है, लेकिन जब रामभक्तों के चढ़ावे पर सवाल उठते हैं तो जवाब देने से बचती है। यह चुप्पी संदेह को और बढ़ाती है।संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को चुनौती देते हुए कहा, यदि चढ़ावे में चोरी नहीं हुई है तो चंपत राय जी भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर हाथ रखकर सौगंध खाएं कि चढ़ावे के धन में किसी प्रकार की चोरी नहीं हुई। उनकी इस सौगंध पर करोड़ों रामभक्त विश्वास कर लेंगे। उन्होंने कहा कि जो भी लोग इस मामले में दोषी हैं, उन्हें तत्काल जेल भेजा जाना चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर देश के सामने सच्चाई रखी जानी चाहिए। भगवान श्रीराम की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए।

बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर राजद में छिड़ी रार

» पूर्व एमएलसी सुनील सिंह को उम्मीदवार बनाए जाने पर लालू की बेटी रोहिणी नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा पूर्व एमएलसी सुनील सिंह को उम्मीदवार बनाए जाने पर बवाल मच गया है। पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने नाराजगी जताई है। सोशल मीडिया पर बिना किसी का नाम लिए उन्होंने पार्टी नेतृत्व के फैसले पर सवाल उठाए और आरोप लगाया। आइये जानते हैं रोहिणी ने क्या कहा?

लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट लिखकर नेतृत्व के फैसले पर सवाल खड़े किए। रोहिणी आचार्य ने बिना नाम लिए कहा कि जिस व्यक्ति की पहचान गुटबाजी, भीतरघात, विश्वासघात और विरोधियों से मिलीभगत के आरोपों से जुड़ी रही हो, उसे उम्मीदवार बनाए जाने का फैसला समझ से परे है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा व्यक्ति पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के सामने महिलाओं के बारे में अमर्यादित टिप्पणियां करता रहा है, फिर भी उसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे दी गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या पार्टी में समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं तथा नेताओं की कमी पड़ गई है, जो ऐसे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया गया। रोहिणी ने दावा किया कि ऐसे फैसलों के कारण पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं और समर्थकों में असंतोष बढ़ रहा है और इसका नुकसान पार्टी को पहले भी उठाना पड़ा है। रोहिणी आचार्य ने आगे कहा कि पार्टी की स्थापना से लेकर अब तक अनेक ऐसे नेता और कार्यकर्ता रहे हैं, जो सामाजिक न्याय की विचारधारा के प्रति पूरी निष्ठा के साथ जुड़े रहे हैं। इनमें अल्पसंख्यक, यादव, दलित, पिछड़े और वंचित समाज से आने वाले कई अनुभवी तथा युवा चेहरे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समर्पित लोगों की लगातार अनदेखी किया जाना गंभीर चिंता का विषय है और यह पार्टी के हित में नहीं माना जा सकता।

भाजपा के पास मुस्लिमों से नफरत के सिवा कुछ नहीं : पठान

» पश्चिम बंगाल में मदरसों के सर्वे से नाराज हैं एआईएमआईएम नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सरकार ने सभी मदरसों का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया है। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देश के तहत, सभी जिला अधिकारियों को 5 जुलाई तक अपने क्षेत्रों के मदरसों की विस्तृत रिपोर्ट सचिवालय को सौंपनी होगी।

एआईएमआईएम नेता वारिस पठान बंगाल सरकार के इस फैसले पर भड़क गए हैं। उन्होंने कहा, जबसे बीजेपी की सरकार आई है, बीते 12-13 साल से इनका एक ही काम है। जहां भी जाएं इन्हें मुसलमानों से नफरत है। हमारे खाने पीने से नफरत, हमारे पहनने ओढ़ने से नफरत है. बुर्के से, हिजाब से, मस्जिद-मदरसे से, हर चीज से बस इनको नफरत ही नफरत है. आप देखिए यूपी में कितने मदरसों पर इन्होंने एक्शन लिया है, अब बंगाल के अंदर मदरसों के पीछे पड़ गए हैं।

वारिस पठान ने कहा, मदरसों से अच्छे अच्छे और बड़े बड़े लोग पढ़कर निकले हैं. कभी उनकी भी तो बात करिए न. आप मदरसों का सर्वे करिए, लेकिन साथ-साथ में मंदिरों का सर्वे क्यों नहीं करते? शिशु मंदिरों का भी सर्वेक्षण करिए न, वहां गड़बड़ घोटाले नहीं होते क्या? संविधान तो बराबरी की बात करता है. कायदे कानून तो सब पर बराबर लागू होने चाहिए।

अब छिड़ेगा रास चुनाव का संग्राम कांग्रेस और भाजपा में घमासान

कांग्रेस ने सात सीटों के लिए उम्मीदवारों का किया ऐलान

- बीजेपी ने 11 नामों की घोषणा की
- पवन खेड़ा, वीण चक्रवर्ती और प्रणव झा को टिकट
- केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन का नाम शामिल नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

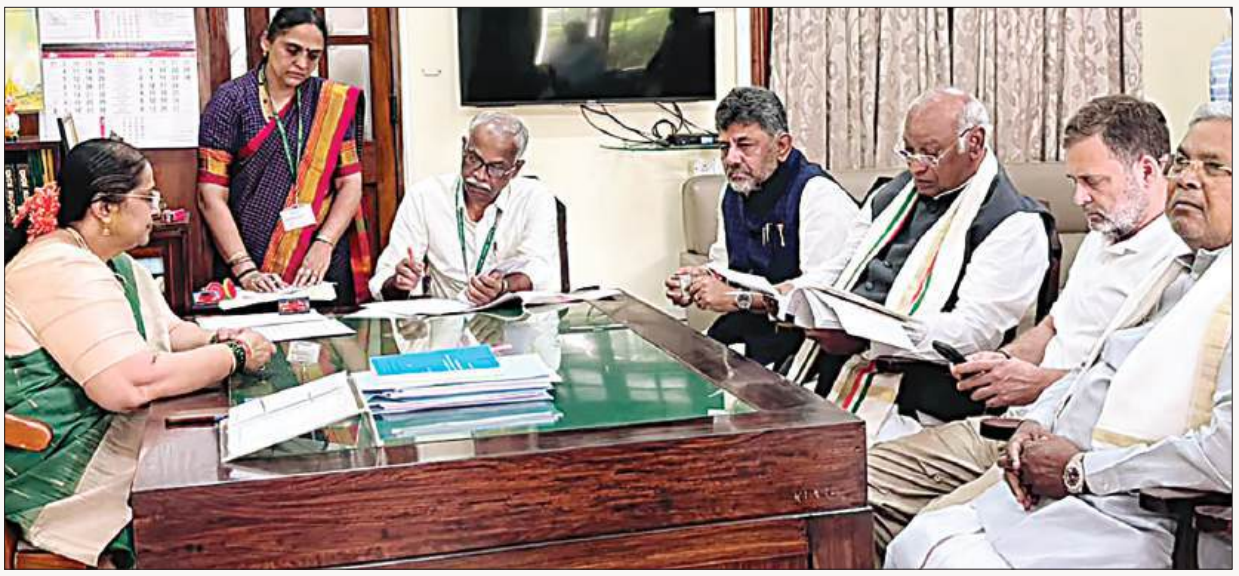

नई दिल्ली। आगामी होने वाले राज्य सभा चुनावों के लिए कांग्रेस व बीजेपी ने अपने-अपने उम्मीदवार उतार दिए है। कांग्रेस ने राज्यसभा की सात सीटों के लिए उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। कर्नाटक से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अलावा पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को उम्मीदवार बनाया गया है। मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन, राजस्थान से नीरज डांगी, झारखंड से प्रणव झा और तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवाती को कांग्रेस ने उम्मीदवार बनाया है।

मीनाक्षी नटराजन और प्रवीण चक्रवर्ती को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है। सात में से चार उम्मीदवार अगड़ी जाति से, दो दलित और एक अल्पसंख्यक समुदाय से है। वहीं बीजेपी ने राज्यसभा चुनावों के लिए 11 नामों का ऐलान किया है। इनमें केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन का नाम शामिल नहीं है। इससे मोदी कैबिनेट में फेरबदल की संभावना तेज हो गई है।

इन सांसदों का कार्यकाल हो रहा खत्म

जिन बीजेपी सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें गुजरात से रामभाई मोकारिया, अमीन नरहरी और रमीला बारा; मणिपुर से लीशेम्बा सनाजाओबा; राजस्थान से राजेंद्र गहलोत; अरुणाचल से नबम रेबिया और मध्य प्रदेश से सुमेर सिंह सोलंकी शामिल हैं।

खरगे ने कर्नाटक से किया नामांकन

राज्यसभा में नेता विपक्ष खरगे शुक्रवार को बेंगलुरु में राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी खरगे के नामांकन के मौके पर मौजूद रहेंगे। कर्नाटक में राज्यसभा की चार सीटें खाली हुई हैं जिसमें से कांग्रेस तीन सीटें जीत सकती है।

भाजपा ने रिटायर हो रहे किसी भी सांसद को दोबारा मौका नहीं दिया

असल में, सत्ताधारी पार्टी ने राज्यसभा से रिटायर हो रहे किसी भी सांसद को दोबारा मौका नहीं दिया। वहीं राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और बीजेपी के राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया जैसे संगठन के कई पदाधिकारियों को सांसद के तौर पर पहली बार मौका देने के लिए चुना गया है।

पंजाब पर फोकस, अगले साल विधानसभा चुनाव

पंजाब में पार्टी का वोटर माने जाने वाले जाट सिख समुदाय तक पहुंचने के लिए केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के बाद, बीजेपी ने चुघ को राज्यसभा के लिए चुनकर राज्य में अपने पारंपरिक वोटरों को साधने की कोशिश की है। राज्य में अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं। जाट सिख और पंजाब के

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते बिट्टू को दोबारा नॉमिनेट न करने के फैसले ने राजनीतिक हलकों में हैरानी पैदा की है, लेकिन माना जा रहा है कि उन्हें आगामी चुनावों पर फोकस करने के लिए कहा जा सकता है।केरल के अनुभवी बीजेपी सदस्य कुरियन हाल ही में राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में हार गए थे।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए 11 नामों का ऐलान किया है। इनमें केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन का नाम शामिल नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में एकमात्र ईसाई मंत्री कुरियन और बिट्टू क्रमशः मध्य प्रदेश और राजस्थान से मौजूदा सांसद हैं, लेकिन उन्हें अपने-अपने राज्यों की सूची में जगह नहीं मिली। मगर इस बात से मोदी कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा और तेज हो गई है। बहरहाल, फेरबदल की चर्चा इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि दो अन्य जूनियर मंत्रियों पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को पहले ही संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी जा चुकी हैं। पंकज चौधरी यूपी बीजेपी के अध्यक्ष हैं, जबकि हर्ष मल्होत्रा को हाल ही में दिल्ली बीजेपी का प्रमुख बनाया गया है। राज्यसभा के किसी भी मौजूदा सांसद को दोबारा नामांकित नहीं किया गया है। बीजेडी छोड़कर भगवा पार्टी में शामिल हुए देबाशीष सामंतराय को ओडिशा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया गया है।

झारखंड और कर्नाटक से उम्मीदवारों का ऐलान नहीं

बीजेपी ने अभी झारखंड और कर्नाटक से अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान नहीं किया है, जहां उसे एक-एक सीट मिलना तय है। इससे यह संभावना बनी हुई है कि वह इन दोनों मंत्रियों में से किसी एक को दोबारा नामित कर सकती है। अगर 21 जून को कार्यकाल खत्म होने के बाद ये दोनों मंत्री सांसद नहीं रहते हैं, तब भी वे छह महीने तक अपने पद पर बने रह सकते हैं।

पवन खेड़ा व मंसूर खान पर भी दांव

कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा जाना पहचाना चेहरा हैं। मूल रूप से राजस्थान से आने वाले पवन खेड़ा दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के राजनीतिक सलाहकार के रूप में काम कर चुके हैं, चार साल पहले उन्हें कांग्रेस का राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बनाया गया था। हाल में ही असम विधानसभा चुनाव में दौरान सीएम हेमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर दूसरे देशों के पासपोर्ट और विदेश में संपत्ति का आरोप लगाने के बाद खेड़ा कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन आखिरकार उनकी तपस्या पूरी होने जा रही है, कर्नाटक से ही आने वाले युवा नेता मंसूर अली खान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और केरल के सह प्रभारी हैं। मंसूर के पिता के रहमान खान पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा के उपसभापति रह चुके हैं।

मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर मप्र कांग्रेस में उठे सवाल

मध्यप्रदेश से कांग्रेस द्वारा मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद पार्टी के अंदर ही विरोध के स्वर सामने आने लगे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हुजूर विधानसभा सीट से दो बार प्रत्याशी रहे नरेश ज्ञानचंदानी ने इस फैसले पर खुलकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को टैग करते हुए इसे बड़ी चूक बताया है, ज्ञानचंदानी ने आशंका जताई कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग

का खतरा हो सकता है। वहीं पार्टी के भीतर इस फैसले को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। नरेश ज्ञानचंदानी ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि मध्यप्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार का चयन सोच-समझकर किया जाना चाहिए था। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पहले भी पार्टी नेतृत्व को इस बारे में सचेत किया था। उनका कहना है कि ऐसे समय में जब संख्या समीकरण बेहद अहम है, उम्मीदवार चयन में सावधानी जरूरी थी। ज्ञानचंदानी ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की आशंका व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी ने सही रणनीति नहीं अपनाई तो इसका असर चुनाव परिणाम पर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को राज्यसभा सीट जीतने के लिए 58 विधायकों का समर्थन चाहिए, जबकि पार्टी के पास वर्तमान में 62 विधायक हैं। ऐसे में थोड़ी भी गड़बड़ी परिणाम बदल सकती है। आपको कई बार मैसेज किए थे कि मध्यप्रदेश से राज्यसभा बड़ा सोच समझकर निर्णय लें क्योंकि यहां क्रॉस वोटिंग का खतरा है अगर दिग्विजय सिंह रिपीट होते तो सीट सेफ थी।

गुजरात से चार नए चेहरों को मौका

राज्यसभा उम्मीदवारों में, बीजेपी ने मणिपुर से अपनी प्रदेश अध्यक्ष ए शारदा देवी और अरुणाचल प्रदेश से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताई तागाक को चुना है। गुजरात से पार्टी ने चार नए चेहरों को चुना है, जिनमें तीन अपेक्षाकृत युवा पदाधिकारी राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र कंजारिया शामिल हैं। इन पर ओबीसी और आदिवासी समुदायों पर ध्यान केंद्रित करने की जिम्मेदारी होगी।

राजस्थान और ओडिशा में बीजेपी का फॉर्मूला

राजस्थान में, जहां कांग्रेस संगठनात्मक रूप से एक्टिव रही है, सत्ताधारी बीजेपी ने संख्या के लिहाज से मजबूत दो ओबीसी समुदायों को लुभाने की कोशिश की है। ओडिशा उपचुनाव के लिए देबाशीष सामंतराय को मैदान में उतारा गया है, जिन्होंने बीजेपी में शामिल होने के लिए बीजेडी छोड़ दी थी। उनके सदन से इस्तीफा देने के कारण यह उपचुनाव हो रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

धरती को बचाना है तो रोज मनाईए पर्यावरण दिवस

5 जून को सरकारी स्तर पर पर्यावरण दिवस के नाम पर सारी सरकारे पौधे लगाते फोटो सेशन करवाकर पर्यावरण की रक्षा की ढोल पिटती हैं। दूसरे दिन कोई देखने नहीं जता की उनके लगे पौधे घूमंतू जानवरों ने चर लिए या गर्मी के तपिश में बिना पानी पाए मुरझा गए। बड़ी विडंबना है विकास की अंधी दौड़ में हम अरावली, हिमालय से लेकर समुद्री इलाकों के हरियाली को रौंदकर पर्यावरण का मटियामेट करने में लगे हैं। ये नहीं सोचते कि अगर पर्यावरणीय संतुलन बरकरार नहीं रहेगा तो मानव इतिहास बन जाएगा। इसलिए अब चेतिए और पर्यावरण दिवस एक दिन नही रोज मनाइए रोज मनाइए तभी हमारी धरती बचेगी। जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं।

पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि धरती में रह-रहकर जो उथल-पुथल की प्राकृतिक घटनाएं घट रही हैं, उनके पीछे छिपे संकेतों और प्रकृति की मूक भाषा को समझना कितना जरूरी है। आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में हमने हर पल प्रकृति की नैतिक सीमाओं का उल्लंघन किया है और ये सब प्रकृति के साथ इंसान की ज्यादतियों का ही नतीजा हैं, जिसके भयावह परिणाम हमारे सामने हैं। मानवीय क्रियाकलापों के कारण ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि हमें सांस के जरिये असाध्य बीमारियों की सौगात मिल रही है। सीवरेज की गंदगी स्वच्छ जल स्रोतों में छोड़ने की बात हो या औद्योगिक इकाईयों का अम्लीय कचरा नदियों में बहाने की अथवा सड़कों पर रेंगती वाहनों की लंबी-लंबी कतारों से वायुमंडल में घुलते जहर की या फिर सख्त अदालती निर्देशों के बावजूद खेतों में जलती पराली से हवा में घुलते हजारों-लाखों टन धुएं की, हमारी आंखें तब तक नहीं खुलती, जब तक प्रकृति का बड़ा कहर हम पर नहीं टूट पड़ता। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया गया है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है।

बड़ी विडंबना है विकास की अंधी दौड़ में हम अरावली, हिमालय से लेकर समुद्री इलाकों के हरियाली को रौंदकर पर्यावरण का मटियामेट करने में लगे हैं। ये नहीं सोचते कि अगर पर्यावरणीय संतुलन बरकारा नहीं रहेगा तो मानव इतिहास बन जाएगा। इसलिए अब चेतिए और पर्यावरण दिवस एक दिन नही रोज मनाईए तभी हमारी धरती बचेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आर्थिक सुनामी के राजनीतिक मायने

कमलेश पांडे

राहुल गांधी की आर्थिक सुनामी वाली चेतावनी को फिलहाल एक राजनीतिक चेतावनी और आर्थिक जोखिमों पर विपक्षी आक्रमण के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि उनका यह कहना कि भारत निश्चित रूप से आर्थिक सुनामी की ओर बढ़ रहा है, अभी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी होगी। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए इस बहस को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। आर्थिक मामलों के जानकार बताते हैं कि भारत में वास्तव में आर्थिक सुनामी आएगी या नहीं, इसका कोई निश्चित उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल में दी गई चेतावनी ने आर्थिक और राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है।

क्योंकि राहुल गांधी का तर्क है कि वैश्विक संकट, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई, ईंधन कीमतों और आर्थिक असमानता के कारण भारत एक बड़े आर्थिक झटके की ओर बढ़ सकता है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था के पास पर्याप्त शॉक एब्जॉर्बर हैं- विदेशी मुद्रा भंडार, नियंत्रित महंगाई, खाद्यान्न भंडार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और मजबूत कर-संग्रह जैसी व्यवस्थाएं जो बाहरी संकटों का सामना करने में सक्षम हैं। भारत के सामने कुछ वास्तविक चुनौतियाँ हैं जैसे वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की आशंका। निर्यात और निवेश पर अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर। रोजगार सृजन की चुनौती। और कृषि और एमएसएमई क्षेत्र पर दबाव। लेकिन साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है, और कई आर्थिक संकेतक अभी व्यापक संकट की पुष्टि नहीं करते। जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी।

बैंकिंग या वित्तीय संकट। शेयर बाजार में भारी गिरावट। मुद्रा पर दबाव और महंगाई का बढ़ना। निवेश और उपभोग में तीव्र कमी। इतिहास में Great Depression (1930 का दशक) और Global Financial

Crisis (2008) जैसी घटनाओं को आर्थिक सुनामी के उदाहरण माना जा सकता है। किसी भी सरकार या प्रधानमंत्री के रहते हुए आर्थिक संकट की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। अर्थव्यवस्था अनेक घरेलू और वैश्विक कारकों से प्रभावित होती है, जैसे- वैश्विक मंदी या वित्तीय संकट। तेल की कीमतों में असाधारण वृद्धि। बड़े युद्ध या भू-राजनीतिक तनाव। प्राकृतिक आपदाएं या महामारी। घरेलू नीति संबंधी गंभीर त्रुटियां। बढ़ता डिजिटल भुगतान तंत्र। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर निवेश। विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त स्तर। दूसरी ओर, चुनौतियां भी मौजूद हैं- जैसे- युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन। कृषि आय में सुधार। निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता। और, आय असमानता और उपभोग मांग का प्रश्न। इसलिए निष्पक्ष रूप से कहा जाए तो पीएम मोदी के रहते आर्थिक सुनामी निश्चित रूप से आएगी या कभी नहीं आएगी-दोनों दावे तथ्यात्मक रूप से सिद्ध नहीं हैं। भारत की आर्थिक स्थिति कई संकेतकों पर अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, लेकिन किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह यह वैश्विक और घरेलू जोखिमों से पूरी तरह मुक्त नहीं है। आर्थिक सुनामी की संभावना मुख्यत: नीतियों, वैश्विक परिस्थितियों और भविष्य की घटनाओं पर निर्भर करेगी, न कि केवल किसी एक नेता की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर। आर्थिक सुनामी एक रूपक (metaphor) है, जिसका अर्थ है ऐसा व्यापक और तीव्र आर्थिक संकट जो समाज, बाजार, उद्योग, रोजगार और सरकार की वित्तीय स्थिति को एक साथ प्रभावित कर दे।

जिस प्रकार समुद्री सुनामी अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को झकझोर देती है, उसी प्रकार आर्थिक सुनामी भी अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों पर गहरा असर डालती है। आइए जानते हैं आर्थिक सुनामी के प्रमुख संकेत के बारे में- पहला, शेयर बाजार में भारी गिरावट। दूसरा, निवेशकों की संपत्ति तेजी से घटती है। तीसरा, कंपनियों का बाजार मूल्य कम हो जाता है। चौथा, बेरोजगारी में तेज वृद्धि। पांचवां, उद्योगों और कंपनियों में छंटनी बढ़ती है। छठा, नए रोजगार सृजन की गति धीमी पड़ जाती है। सातवां, बैंकिंग और वित्तीय संकट। आठवां, ऋण वसूली की समस्या बढ़ती है। नौवां, बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर दबाव आता है। दसवां, मुद्रा और महंगाई पर असर।

'जीरो टॉलरेंस' की नीति बने

डॉ. सुधीर कुमार

आज का युवा जब हाथ में लेटेस्ट स्मार्टफोन लेकर 5 जी की रफ्तार से दुनिया फतह करने का सपना देखता है, उसी समय उसकी दूसरी हथेली में 'जम्बो' का एक छोटा सा पुड़ियानुमा पैकेट उसके अस्तित्व को 'शून्य' करने की साजिश रच रहा होता है। यह सिर्फ एक नशा नहीं, यह भारत के भविष्य का 'केमिकल लोचा' है। 21वीं सदी के भारत की चमक-धमक, स्टार्टअप्स और वैश्विक नेतृत्व के दावों के पीछे एक गहरा काला साया हमारी 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' यानी युवा शक्ति को निगल रहा है। दिल्ली के आलीशान पबों से लेकर पंजाब, हरियाणा और मुंबई की गलियों तक फैला यह 'जम्बो' महज एक नशा नहीं, बल्कि घातक रसायनों का ऐसा कॉकटेल है जिसे 'मौत का सीधा आमंत्रण' कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा।

'जम्बो वास्तव में कोई एक दवा नहीं, बल्कि मेफेड्रोन, हेरोइन और जानवरों को दिए जाने वाले ट्रांक्विलाइजर जैसे जाइलाजीन जैसे घातक रसायनों का एक अनियंत्रित 'कॉकटेल' है। तस्कर इसकी अत्यधिक तीव्रता के कारण इसे 'जम्बो' कहते हैं, जिसकी एक सूक्ष्म खुराक भी व्यक्ति को हफ्तों तक मदहोश रख सकती है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह मिश्रण मस्तिष्क के डोपामाइन सिस्टम को पूरी तरह नष्ट करने के साथ-साथ सीधे श्वसन और हृदय तंत्र पर प्रहार करता है, जो इसे सामान्य नशों की तुलना में कहीं अधिक जानलेवा बनाता है। भारत में नशीली दवाओं के प्रसार को रोकने के लिए 'स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985' (एन-डी-पी-एस) सबसे सशक्त कानूनी हथियार है। इसकी धारा 8 मादक पदार्थों के व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, जबकि धारा 15 से 25 के तहत 'व्यावसायिक मात्रा' में ड्रग्स पाए जाने पर 20 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है। हालांकि, 'जम्बो' जैसे आधुनिक 'डिजाइनर ड्रग्स' कानून के लिए चुनौती बने हुए हैं। इनके निर्माता नशीले पदार्थों की 'आणविक संरचना' में सूक्ष्म बदलाव कर देते हैं, जिससे ये प्रतिबंधित सूची से बाहर रह जाते हैं। यह कानूनी पेचीदगी स्पष्ट करती है कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में कानून को निरंतर अपडेट करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

न्यायपालिका ने ड्रग तस्करी को समाज के विरुद्ध एक 'संगठित अपराध' मानते हुए सख्त रुख अपनाया है। 'स्टेट ऑफ पंजाब बनाम बलदेव सिंह (1999)' के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार न केवल अर्थव्यवस्था को खोखला कर रहा है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। इसी कड़ी में, हाल के वर्षों में अदालतों ने जमानत याचिकाएं खारिज कर पुन: यह स्पष्ट संदेश दिया है कि नशे के सौदागर के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। आज के दौर में रेव पार्टियां 'नशे' को एक 'स्टेटस सिंबल' और 'कूल' दिखने के माध्यम के रूप में परोस रही हैं। सोशल मीडिया और वेब सीरीज के मायाजाल से भ्रमित होकर युवा इसे महज एक रोमांचक 'प्रयोग' समझते हैं, जबकि यह 'प्रयोग' वास्तव में उनके जीवन की अंतिम यात्रा का टिकट साबित हो सकता है।

पर्दे पर नशे का महिमामंडन 'स्वतंत्रता' लग सकता है, लेकिन हकीकत की जमीन पर यह केवल हंसते-खेलते परिवारों की बर्बादी की पटकथा लिखता है। युवाओं को यह समझना होगा कि दिखावे के 'स्वैगर' और जीवन के संघर्ष के बीच एक बहुत बारीक रेखा है; क्योंकि अस्पताल के बिस्तर या जेल की सलाखों के पीछे कोई 'एटीट्यूड' काम नहीं आता, वहां सिर्फ पछतावा शेष रह जाता है। नशा केवल एक व्यक्तिगत पसंद नहीं, बल्कि एक पारिवारिक और सामाजिक त्रासदी है। एक व्यक्ति का नशा उसके माता-पिता के सपनों, अपनों के भरोसे और स्वयं के सुनहरे भविष्य को जड़ से खत्म कर देता है। नशा मुक्ति के लिए कानून, तकनीक और संवेदना का समन्वय आवश्यक है। कानूनी स्तर पर, एन-डी-पी-एस मामलों के लिए 'फास्ट ट्रैक कोर्ट' और साइबर-निगरानी को कड़ा करना होगा, वहीं दूसरी ओर, सामाजिक स्तर पर, शिक्षा के माध्यम से जमीनी जागरूकता फैलानी होगी। दृष्टिकोण में बदलाव लाते हुए नशा करने वालों को अपराधी के बजाय उपचार योग्य रोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। आधुनिक पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से उन्हें सुधार कर समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक तरीके से पुनर्स्थापित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

आज नशा 'डिजिटल ट्रैपिंग' के जरिए युवाओं के घर तक पहुंच चुका है, जहां डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड ऐप्स ने इसे बेहद सुलभ बना दिया है। निस्संदेह, नशा अक्सर मानसिक तनाव या अकेलेपन का एक भ्रामक समाधान होता है। असली बहादुरी रसायनों के पीछे छिपने में नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का बिना किसी कृत्रिम सहारे के सामना करने में है। 'जम्बो' जैसे जानलेवा पदार्थों से लड़ने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं; इसके लिए समाज और परिवारों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अनिवार्य है। विंस्टन चर्चिल ने ठीक ही कहा था, जीत अंतिम नहीं है, हार घातक नहीं है; जारी रखने का साहस ही मायने रखता है। समय आ गया है कि हम अपनी तकनीक और प्रगति का उपयोग जहर फैलाने के लिए नहीं, बल्कि एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए करें। हमारी आज की जागरूकता ही कल की पीढ़ियों की सुरक्षा की गारंटी है। भारत का भविष्य स्मार्टफोन की धुंधली स्क्रीन पर नहीं, बल्कि उसके युवाओं के फौलादी स्वास्थ्य और सुदृढ़ चरित्र में सुरक्षित है।

पिंपल्स या मुंहासे

होने पर घर पर करें ये उपाय

हर कोई अपनी स्किन को साफ, चमकदार और बेदाग देखना चाहता है, लेकिन चेहरे पर अचानक आने वाले पिंपल्स या मुंहासे इस खूबसूरती को बिगाड़ देते हैं। अक्सर किसी खास मौके से पहले ही चेहरे पर एक बड़ा सा पिंपल निकल आता है, जिससे आत्मविश्वास भी कम हो जाता है। किशोरावस्था से लेकर बड़ों तक, मुंहासों की समस्या आम है और ये किसी भी स्किन टाइप में हो सकती है। कई लोग महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सही कारण जाने बिना समस्या बार-बार लौट आती है। दरअसल, मुंहासे सिर्फ बाहरी गंदगी की वजह से नहीं, बल्कि शरीर के अंदर होने वाले बदलावों के कारण भी होते हैं। इसलिए जरूरी है कि पहले इसकी असली वजह समझी जाए और फिर सही उपाय अपनाए जाएं।

मुंहासे होने की वजह

मुंहासे तब होते हैं जब त्वचा के रोमछिद्र (पोर्स) तेल, गंदगी और मृत कोशिकाओं से बंद हो जाते हैं। सबसे बड़ी वजह हार्मोनल बदलाव है, खासकर किशोरावस्था, पीरियड्स, प्रेग्नेंसी या तनाव के दौरान। हार्मोन बढ़ने से त्वचा में सीबम (तेल) ज्यादा बनता है, जो बैक्टीरिया के साथ मिलकर पिंपल्स पैदा करता है। इसके अलावा ऑयली स्किन, गलत स्किन केयर प्रोडक्ट्स, ज्यादा मेकअप, जंक फूड, डेयरी प्रोडक्ट्स का अधिक सेवन, नींद की कमी और स्ट्रेस भी कारण बनते हैं। बार-बार चेहरे को छूना, गंदा तकिया कवर या मोबाइल स्क्रीन भी बैक्टीरिया बढ़ाते हैं, जिससे मुंहासे बढ़ सकते हैं। लेकिन, समस्या एक उम्र के बाद भी बढ़ती चली जाए। हां, कई लोग हैं जो कि चेहरे पर कील-मुंहासों के ज्यादा होने से परेशान रहते हैं पर ऐसे लोग इसके सही कारणों को जान नहीं पाते और हमेशा परेशान ही रह जाते हैं।

इससे बचने के तरीके

दिन में दो बार माइल्ड, सल्फेट-फ्री फेसवॉश से चेहरा साफ करें। ऑयल-फ्री और नॉन-कॉमेडोजेनिक प्रोडक्ट्स चुनें। हफ्ते में 1-2 बार हल्का एक्सफोलिएशन करें, लेकिन ज्यादा स्क्रब न करें। जंक फूड, ज्यादा मीठा और तला-भुना कम करें। रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग या मेडिटेशन करें।

मुंहासे होने पर ये न करें

पिंपल को फोड़ने या निचोड़ने से बचें, इससे दाग और इंफेक्शन हो सकता है। सैलिसिलिक एसिड या बेंज़ोयल पेरोक्साइड युक्त क्रीम ट्रीटमेंट डॉक्टर की सलाह से लगाएं। एलोवेरा जेल या टी ट्री ऑयल हल्के पिंपल्स में मदद कर सकते हैं। मेकअप कम करें और त्वचा को साफ रखें। अगर मुंहासे बार-बार हो रहे हैं या दर्दनाक सिस्टिक एक्ने बन रहे हैं, तो त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें। डॉक्टर ब्लड टेस्ट, हार्मोन जांच या विशेष दवाइयां दे सकते हैं। लंबे समय तक खुद से दवा लेने से बचें। सही इलाज, संतुलित जीवनशैली और नियमित स्किन केयर से मुंहासों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

हंसना मना है

मछली जल की रानी है-इसका अब नया वर्जन है। पत्नी घर की रानी है, करती अपनी मनमानी है, काम बताओ तो वह चिढ़ जाएगी, शॉपिंग कराओ तो खिल जाएगी।

1 युग था जब लोग अपने घर के दरवाजे पे, लिखते थे- अतिथी देवो भव:, फिर लिखा - शुभ लाभ, फिर लिखा- यू आर वेलकम और अब - कुत्तों से सावधान!

अगर बीवी अपनी साड़ी का पल्लू अपनी कमर में ठूस ले तो समझ जाओ की, या तो वो घर का काम निपटाएगी, या फिर आपको!

प्रेमिका- तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे क्या गिफ्ट दोगे? प्रेमी- जो तुम चाहो प्रेमिका- रिंग? प्रेमी- ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

दो पंडितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लड़ते बहुत देर हो गयी, तीसरा पंडित- क्या हुआ, क्यों लड़ाई कर रहे हो? एक पंडित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इसने चिकन में डाला ही क्यों?

वेटर-मैम, आप कुछ लेंगी? लड़की- भैया एक सब्जी वाली रोटी लाना.. वेटर- क्या? लड़का- गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

कहानी | आचरण बड़ा या ज्ञान?

एक बार की बात है एक राज्य में राजा की सभा में एक बड़ा ही सम्मानित राज पुरोहित था। उसका इतना मान था कि जब वह राज्य सभा में आता था तो राजा भी खड़े होकर उसका स्वागत करते थे। एक दिन राजा ने अपनी सभासद के सामने समस्या पूर्ति रखी की आचरण बड़ा या ज्ञान? राजपुरोहित ने कहा- प्रश्न के समाधान के लिए थोड़ा वक्त चाहिए। राजपुरोहित ने एक प्रयोग किया, उन्होंने कोषागार से दो मोती चुरा लिए। यह खजांची ने देखा और हैरान रह गया। दूसरे दिन भी ऐसा ही हुआ। राजपुरोहित ने फिर से रत्न चुरा लिए। बात राजा तक पहुंचीं और राजा ने जांच कराई, तथा राजपुरोहित की सच्चाई सामने आई। अगले दिन राजा ने राजपुरोहित को सम्मान नहीं दिया। उसके सम्मान में खड़ा नहीं हुआ। पुरोहित ने मन ही मन कहा- दवा काम कर गई। राजा ने पुरोहित से पुछा अपने मोती, रत्न चुराएं है? जी हां, पुरोहित ने कहा। राजा ने पुछा क्यों? राजपोरिहित ने कहा- दरअसल में आपको दिखाना चाहता था कि आचरण बड़ा है या ज्ञान? मेरी राज्य सभा में जो प्रतिष्ठा है, सम्मान है, इज्जत है वह आचरण के कारण है या ज्ञान के?.. ..आपने देखा कि मेरा ज्ञान मेरे पास था, उसमें कोई फर्क नहीं आया, उसमें कोई कमी नहीं आई। फिर भी आपने मेरा स्वागत नहीं किया। खड़े होकर मेरा सम्मान नहीं किया। क्योंकि मैं आचरण से गिर गया था राजपुरोहित से चोर बन गया था। मेरा आचरण गिरा, आपकी भौंहें तन गई। राजपोरोहित ने कहा कि मैं समझ गया कि आचरण बड़ा है या ज्ञान? उसने राजा से कहा कि मुझे लगता है कि आपके प्रश्न का भी यही उत्तर है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें।

वृषभ यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे।

मिथुन कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है।

कर्क राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें।

सिंह चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे।

कन्या कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी।

वृश्चिक रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे।

धनु दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे।

मकर मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना।

कुम्भ भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे।

मीन यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे।

हालीवुड | रिलीज डेट

जब तक किसी व्यक्ति की सेहत ठीक है, तब तक बाकी सभी तनाव बेकार हैं : जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ अपनी नई रिलीज हुई फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पा रही है। इस बीच एक्टर ने बताया है कि आजकल की पीढ़ी कितना तनाव झेल रही है। हालांकि, उन्होंने सलाह दी कि उनको ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। अभिनेता समझदारी भरी सलाह और जिंदगी को लेकर अपने बेफिक्र नजरिए के लिए जाने जाते हैं। बी अ मैन यार पॉडकास्ट के साथ बातचीत में जैकी श्रॉफ ने इस बारे में बात की कि आज की पीढ़ी के पास चिंता करने के लिए कितनी सारी चीजें हैं। हालांकि, एक्टर ने कहा कि जब तक किसी व्यक्ति की सेहत ठीक है, तब तक बाकी सभी तनाव बेकार हैं। उन्होंने कहा, तनाव नहीं लेने का बेटा। मां का प्रेशर, घर का प्रेशर, काम का प्रेशर, पढ़ाई का प्रेशर, पैसे का प्रेशर, दुनिया का प्रेशर, हेल्थ का प्रेशर नहीं लेने का। जब तक आपकी सेहत ठीक है, आपको किसी और चीज की चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने मजाक में कहा हेल्थ जब तक है सब सही है। जहां तेरा हेल्थ गया गेम बज गया उन्होंने यह भी मजाक में कहा कि हम सभी जानते हैं कि अंत तो होना ही है, इसलिए खुद को खतरे में डालने की कोई जरूरत नहीं है। इसके बजाय उन्होंने लोगों से जितना हो सके उतना जीने की अपील की। उन्होंने आगे कहा, तो जब मालूम है अपने को अंत तो उसमें अपनी शानपत्ती नहीं करने का। मैं सो जाता हूं। यह सब पिटी-पिटी के चक्कर में बहुत लफड़ा है। द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें जैकी श्रॉफ ने एक सुपरमैन की भूमिका निभाई है। 25 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 1.84 करोड़ रुपये कमाए हैं।

काफी सोचकर प्रोजेक्ट चुनती हैं शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी इन दिनों अपने फिल्मी फैसलों को लेकर काफी साफ और सख्त नजर आ रही हैं। ओटीटी के बढ़ते दौर के बीच उन्होंने खुलकर बताया कि अब वो हर प्रोजेक्ट नहीं करतीं, बल्कि बहुत सोच-समझकर चुनती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों अपने फिल्मी फैसलों को लेकर काफी साफ और सख्त नजर आ रही हैं। ओटीटी के बढ़ते दौर के बीच उन्होंने खुलकर बताया कि अब वो हर प्रोजेक्ट नहीं करतीं, बल्कि बहुत सोच-समझकर चुनती हैं।

उन्होंने यह भी माना कि आजकल फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आया है। कई मेकर्स अब थिएटर के बजाय ओटीटी को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, क्योंकि वहां रिस्क कम होता है। लेकिन शिल्पा का नजरिया थोड़ा अलग है।

वो अब ऐसी फिल्म करना चाहती हैं, जो थिएटर्स में रिलीज हो। उन्होंने कहा, 'मेरे बच्चों ने मुझे थिएटर्स में नहीं देखा है। इसलिए मैं एक थिएटर फिल्म करना चाहती हूं। मेरे बेटे ने 2023 में सुखी देखी थी, लेकिन वो प्रीव्यू थिएटर में थी। मैं चाहती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म मिले, जैसी हम पहले बनाया करते थे।

शिल्पा ने बताया कि उन्होंने कई बड़ी फिल्मों को भी मना किया है, लेकिन उन्हें अपने फैसलों का कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा उनके लिए पैसा या बड़ा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि काम की क्वालिटी ज्यादा मायने रखती है। शिल्पा शेट्टी ने इंडस्ट्री में खूब पहचान बनाई है। वे आज 51 वर्ष की हो गई हैं। अपनी फिटनेस के लिए भी वे खूब जानी जाती हैं। शिल्पा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे कुकिंग रियलिटी शो मां है ना होस्ट करती दिखेंगी। यह 12 जून 2026 से जी5 पर स्ट्रीम होगा।

गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभायेंगी रश्मिका मंदाना

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। 123 तेलुगु के अनुसार, रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है।

हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है। एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म जर्सी बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं। रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म कॉकटेल 2, 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

अजब-गजब | आज भी पूरी तरह अनसुलझा हुआ है इस झील का रहस्य

ये है कंकालों की झील, यहां मिलती हैं सिर्फ हड्डियां

भारत में ऐसी कई रहस्यमयी जगहें मौजूद हैं, जिनके बारे में जानकर लोग आज भी हैरान रह जाते हैं। इन्हीं रहस्यमयी स्थानों में से एक है उत्तराखंड की प्रसिद्ध रूपकुंड झील, जिसे कंकालों की झील के नाम से भी जाना जाता है। हिमालय की ऊंची बर्फीली चोटियों के बीच स्थित यह झील जितनी खूबसूरत दिखाई देती है, उतनी ही डरावनी और रहस्यों से भरी हुई भी मानी जाती है। इस झील के आसपास बिखरी इंसानी हड्डियां और कंकाल सालों से लोगों के लिए हैरानी का विषय बने हुए हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि आज तक कोई भी यह पता नहीं लगा पाया कि ये कंकाल आखिर यहां आए कैसे और इन लोगों की मौत किस वजह से हुई थी। समुद्र तल से करीब 16500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह रहस्यमयी झील त्रिशूल पर्वत की बर्फ से ढकी चोटियों के बीच मौजूद है। त्रिशूल पर्वत को भारत की सबसे ऊंची और प्रसिद्ध पर्वत श्रृंखलाओं में गिना जाता है, जो उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित है। चारों तरफ फैली बर्फ, ऊंचे पहाड़ और शांत वातावरण इस जगह को और भी आकर्षक बनाते हैं, लेकिन जैसे ही यहां दिखाई देने वाले इंसानी कंकालों की बात सामने आती है, यह खूबसूरत झील एक डरावने रहस्य में बदल जाती है।

रूपकुंड झील दुनिया की सबसे रहस्यमयी झीलों में गिनी जाती है। साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर गश्त के दौरान यहां पहुंचा था। उसी समय उसकी नजर झील के आसपास बिखरी इंसानी

हड्डियों और कंकालों पर पड़ी। इसके बाद यह जगह पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई। कहा जाता है कि यह झील सालभर बर्फ से जमी रहती है, लेकिन मौसम के अनुसार इसका आकार छोटा-बड़ा होता रहता है। गर्मियों के मौसम में जब बर्फ पिघलने लगती है, तब झील में मौजूद इंसानी कंकाल साफ दिखाई देने लगते हैं। वहीं सर्दियों में यहां इतनी ज्यादा बर्फ जम जाती है कि कंकाल नजर भी नहीं आते। बीबीसी की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार अब तक 600-800 लोगों के कंकाल यहां पाए जा चुके हैं। बर्फ में दबे रहने के कारण उनमें से कुछ पर मांस लगा रहता है। यही वजह है कि रूपकुंड झील को स्केलेटन लेक यानी कंकालों की झील कहा जाता है। रूपकुंड झील से मिली हड्डियों और कंकालों को लेकर कई तरह की कहानियां और अफवाहें प्रचलित हैं, लेकिन आज तक कोई भी पूरी सच्चाई नहीं जान पाया है। साल 2004 में वैज्ञानिकों ने कार्बन डेटिंग तकनीक की मदद से पता लगाया कि यहां मिली कई हड्डियां लगभग 1000 साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। वहीं कुछ कंकाल ऐसे भी मिले, जो करीब 100 साल पुराने बताए जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन सभी लोगों की मौत एक ही समय में नहीं हुई थी। मशहूर वैज्ञानिक Eadaoin Harney के अनुसार, यहां हुई सभी मौतें किसी एक बड़े हादसे का नतीजा नहीं थीं, बल्कि अलग-अलग समय पर अलग घटनाओं में लोगों की जान गई थी। कुछ लोगों का यह भी दावा है कि यहां मिले कुछ कंकाल भारत-चीन युद्ध के दौरान मारे गए चीनी सैनिकों के हो सकते हैं, लेकिन अब तक इसका कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। यही वजह है कि रूपकुंड झील का रहस्य आज भी पूरी तरह अनसुलझा बना हुआ है।

रूपकुंड झील को लेकर स्थानीय लोगों और इतिहासकारों के बीच कई तरह की कहानियां और लोककथाएं प्रचलित हैं। एक प्रसिद्ध कहानी के अनुसार, कई साल पहले एक राजा अपनी पत्नी और सेवकों के साथ यात्रा पर निकला था। इसी दौरान वो लोग भयंकर बर्फीले तूफान में फंस गए, जिससे सभी की मौत हो गई। माना जाता है कि झील में मिले कुछ कंकाल उन्हीं लोगों के हैं। वहीं एक दूसरी मान्यता यह भी है कि ये कंकाल उन सैनिकों के हो सकते हैं, जो साल 1841 में तिब्बत की ओर गए थे। कहा जाता है कि वापसी के दौरान खराब मौसम और कठिन परिस्थितियों के कारण उनकी मौत हिमालय की पहाड़ियों में हो गई थी। स्थानीय लोगों के बीच एक और लोककथा काफी मशहूर है।

हाईवे के बोर्ड हरे रंग में ही क्यों दिखते हैं, रोज सफर करने वालों को भी नहीं पता होगा जवाब!

जब भी आप किसी नेशनल हाईवे, एक्सप्रेसवे या लंबी सड़क यात्रा पर निकलते हैं, तो रास्ते में लगे हरे रंग के साइनबोर्ड जरूर दिखाई देते हैं। इन बोर्डों पर शहरों के नाम, दूरी, एग्जिट नंबर और मार्ग संबंधी जानकारी सफेद अक्षरों में लिखी होती है। ज्यादातर लोग इन्हें केवल दिशा बताने वाला संकेत मानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इनका हरा रंग कोई संयोग नहीं, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक कारण छिपे हैं। सड़क संकेतों में रंगों का विशेष महत्व होता है। हर रंग का एक अलग संदेश होता है, जिससे चालक को तुरंत समझ में आ जाता है कि उसे किस प्रकार की जानकारी दी जा रही है। उदाहरण के लिए, लाल रंग खतरे, प्रतिबंध या रुकने के संकेत के लिए उपयोग किया जाता है, जबकि पीला रंग सावधानी और चेतावनी का प्रतीक माना जाता है। इसी तरह नीले रंग के बोर्ड आमतौर पर अस्पताल, पेट्रोल पंप, रेस्ट एरिया या अन्य सार्वजनिक सुविधाओं की जानकारी देते हैं। वहीं हरे रंग के बोर्ड मुख्य रूप से मार्गदर्शन और दिशा संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए लगाए जाते हैं।

भारत में नेशनल और स्टेट हाईवे पर हरे बैकग्राउंड वाले साइनबोर्ड एक मानक के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। इन पर सफेद अक्षरों का प्रयोग इसलिए किया जाता है ताकि जानकारी दूर से भी आसानी से पढ़ी जा सके। शहरों और शहरी क्षेत्रों में अक्सर नीले रंग के संकेतक दिखाई देते हैं, जिससे चालक तुरंत सड़क के प्रकार और उपलब्ध सुविधाओं की पहचान कर सकता है। हरे रंग को चुनने का सबसे बड़ा कारण मानव आंखों की कार्यप्रणाली है। विशेषज्ञों के अनुसार हरा रंग आंखों को अपेक्षाकृत कम थकाता है और लंबे समय तक देखने पर भी असुविधा नहीं पैदा करता। लंबी दूरी की ड्राइविंग के दौरान यह विशेष रूप से उपयोगी साबित होता है। हरा रंग प्रकृति से जुड़ा होने के कारण मानसिक रूप से भी शांति का एहसास कराता है, जिससे चालक का ध्यान सड़क पर केंद्रित रहता है। इसके अलावा, हरे बैकग्राउंड और सफेद अक्षरों का संयोजन उच्च स्तर का कॉन्ट्रास्ट प्रदान करता है। दिन हो या रात, यह संयोजन आसानी से दिखाई देता है। रात के समय रेट्रो-रिफ्लेक्टिव तकनीक वाले साइनबोर्ड वाहन की हेडलाइट पड़ते ही चमकने लगते हैं, जिससे दूर से ही जानकारी स्पष्ट दिखाई देने लगती है। यही वजह है कि दुनिया के कई देशों में हाईवे मार्गदर्शन संकेतों के लिए हरे रंग को प्राथमिकता दी जाती है। यह रंग न केवल दिशा बताने में मदद करता है, बल्कि सुरक्षित और तनावमुक्त ड्राइविंग अनुभव देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मप्र में रास चुनाव पर जारी है घमासान

» हर हालात में कांग्रेस का प्रत्याशी राज्यसभा जाएगा : पटवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र में तीसरी राज्यसभा सीट पर सियासी मुकाबला दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है, जबकि पार्टी का दावा है कि सभी विधायक मीनाक्षी नटराजन के समर्थन में मजबूती से खड़े हैं। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए दावा किया है कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन की जीत तय है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि यह लड़ाई मध्य प्रदेश के लोकतंत्र की है, और हर हालात में कांग्रेस का प्रत्याशी राज्यसभा जाएगा। एक तरफ प्रधानमंत्री आह्वान कर रहे हैं कि देश बचाना है, देश संकट में है, दूसरी तरफ भाजपा विधायक खरीद-फरोख्त, लोकतंत्र की हत्या का प्रयास कर रहे हैं। मध्य प्रदेश, कांग्रेस एकजुट है, कांग्रेस का प्रत्याशी 50 प्रतिशत राज्यसभा जाएगा। टूट-फूट और संभावित क्रॉस वोटिंग की आशंकाओं को देखते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने विधायकों की घेराबंदी शुरू कर दी है, सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस आज अपने विधायकों को विशेष विमान से कर्नाटक भेज सकती है। सभी विधायकों को दोपहर 12 बजे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बंगले पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके बाद उन्हें शिफ्ट किया जा सकता है। विधायकों को अपने परिवार के सदस्यों को साथ ले जाने की अनुमति दी गई है, लेकिन स्टाफ को साथ ले जाने की इजाजत नहीं होगी।

विधायकों को विशेष विमान से कर्नाटक भेजेगी कांग्रेस

कांग्रेस के दिग्गज बोले- भाजपा लोकतंत्र को तहस-नहस कर रही है

मीनाक्षी नटराजन ने किया नामांकन दाखिल

कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने विधानसभा में अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस दौरान कांग्रेस ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपने लगभग सभी विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी दर्ज कराई। वहीं भाजपा के तीसरे उम्मीदवार महेश केवट के मैदान में आने के बाद कांग्रेस ने भी अपने विधायकों को एकजुट रखने की कवायद तेज कर दी है।

नामांकन के समय कांग्रेस प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित विधायक दल के सदस्य मौजूद रहे। विधानसभा परिसर में मीनाक्षी नटराजन ने गांधी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद नामांकन प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान जीतू पटवारी खुद विधायकों को रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष तक लेकर पहुंचे।

टूटेगा भाजपा का भ्रम : दिग्विजय सिंह

कांग्रेस वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा बड़े भ्रम में है कि वे टूट कर लेंगे। कांग्रेस पूरी तरह संगठित, एकजुट है और पूरी दृढ़ता से सभी कांग्रेस के विधायक कांग्रेस के उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन को भरपूर समर्थन देंगे और भाजपा की जो हमेशा से टूट की रणनीति रही है वह सफल नहीं होगी। मीनाक्षी नटराजन कांग्रेस की उम्मीदवार हैं और हम सब कांग्रेस के लोग एकजुट हैं।

तीसरा उम्मीदवार भाजपा की फूट का : सिंघार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा द्वारा तीसरा उम्मीदवार उतारने पर कहा, यह भाजपा की फूट का उम्मीदवार है। वे आखिरी तक तय नहीं कर पाए कि किसे उम्मीदवार बनाना है। उनका हर गुट यह कह रहा था कि इसे उम्मीदवार बनाएं, उसे बनाएं। यह फूट का उम्मीदवार है तो फूटेगा।

पूरी कांग्रेस नटराजन के साथ : जयवर्धन सिंह

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि अचानक से कल रात को भाजपा ने तीसरा प्रत्याशी घोषित किया है लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस का एक-एक विधायक मीनाक्षी नटराजन के साथ खड़ा है। जहां भाजपा पूरे देश में यह पाठ सिखा रही है कि महिलाओं को 33प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए, तो ऐसा क्या कारण है कि मध्य प्रदेश से जब तीन सांसद राज्यसभा जा रहे हैं और उसमें से एक महिला कांग्रेस प्रत्याशी है तो भाजपा क्यों छल-कपट कर रही है? अगर भाजपा मीनाक्षी जी को सांसद बनने से रोकने का प्रयास कर रही है, तो भाजपा महिला विरोधी है।

मानव सुथार का डेब्यू मैच में ही रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन

» अफगान के खिलाफ एक मात्र टेस्ट मैच में लिए सात विकेट और बनाए 28 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुल्लांपुर। भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में युवा स्पिन ऑलराउंडर मानव सुथार ने अपने डेब्यू मुकाबले को यादगार बना दिया। भारत ने अफगानिस्तान को पारी और 300 रन से हराकर टेस्ट क्रिकेट इतिहास की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की, लेकिन इस ऐतिहासिक जीत के केंद्र में रहे 22 वर्षीय मानव सुथार, जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार योगदान देकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मानव सुथार ने अपने पहले ही टेस्ट मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए कुल सात विकेट झटके। पहली पारी में उन्होंने अफगानिस्तान के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस करते हुए छह विकेट अपने नाम किए, जबकि दूसरी पारी में भी एक सफलता हासिल की।

सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं, उन्होंने बल्ले से भी अहम योगदान दिया। भारतीय टीम की पहली पारी में निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मानव ने 41 गेंदों में 28 रन बनाए और टीम के स्कोर को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके इस हरफनमौला प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मानव सुथार ने अपने शानदार प्रदर्शन के साथ एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। वह टेस्ट डेब्यू की पहली पारी में छह विकेट लेने वाले भारत के तीसरे सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। भारत के लिए टेस्ट पदार्पण की पहली पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन की सूची में शीर्ष पर नरेंद्र हिरवानी हैं, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ विकेट झटके थे। इस प्रदर्शन के साथ मानव ने भारत के कई पूर्व दिग्गज गेंदबाजों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड बुक में अपनी जगह बना ली।

स्टोक्स से छीन सकती है इंग्लैंड की टेस्ट कप्तानी

लंदन। न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में शानदार जीत दर्ज करने के कुछ ही घंटों बाद इंग्लैंड क्रिकेट टीम एक नए विवाद में घिर गई है। टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन पर इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने जांच शुरू कर दी है। दोनों खिलाड़ी सोमवार तड़के एक नाइटक्लब में मौजूद थे, जहां कथित तौर पर एक घटना हुई, जिसे ईसीबी ने टीम प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना है। बोर्ड ने पुष्टि की कि बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन उस समय नाइटक्लब में मौजूद थे जब यह घटना हुई। मामले की जानकारी क्रिकेट रेगुलेटर को भी दे दी गई है और आगे की जांच जारी है। यह घटना एक विवाद के बाद हुई जिसमें गस एटकिंसन और एक अकादमी खिलाड़ी के बीच कहासुनी हुई थी। हालांकि किसी खिलाड़ी के घायल होने की सूचना नहीं है। जांच पूरी होने तक दोनों खिलाड़ियों के 17 जून से द ओवल में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेलने की संभावना जताई जा रही है। मामला इतना गंभीर माना जा रहा है कि स्टोक्स अपनी कप्तानी को लेकर भी विचार कर रहे हैं। हालांकि ईसीबी की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पीएम बताएं 12 साल में क्या किया: राउत

» शिवसेना-यूबीटी सांसद बोले- मौजूदा सरकार पंडित नेहरू के कार्यों का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें और जनता को अपने 12 साल के कार्यकाल में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दें। हाल ही में, प्रधानमंत्री मोदी ने 12 साल का कार्यकाल पूरा किया है। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी की तुलना को लेकर भाजपा की आलोचना करते हुए संजय राउत ने कहा कि मौजूदा सरकार पंडित नेहरू के कार्यों का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सकती।

मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री पद की दौड़ जारी है, लेकिन इसके चलते लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। देश के चुनाव आयोग को भी कुचला जा रहा है। वे कई संवैधानिक संस्थाओं के कंधों पर सवार होकर चल रहे हैं। इसलिए, उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का साहस दिखाना चाहिए। वैश्विक दबाव के कारण ही उन्हें ऑपरेशन सिंदूर को भी समाप्त करना पड़ा था।

पंडित नेहरू ने अपनी सारी संपत्ति देश को दान कर दी थी

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नेहरू के बिल्कुल विपरीत कार्य कर रहे हैं। पंडित नेहरू एक प्रतिभाशाली नेता थे जो देश के स्वतंत्रता संग्राम से उभरे थे। पंडित नेहरू ने अपनी सारी संपत्ति देश को दान कर दी थी। आज उनकी संपत्ति का मूल्य 80 हजार करोड़ रुपये है। पंडित नेहरू ने सार्वजनिक उद्यम स्थापित किए। तेल कंपनियां, एलआईसी, आईआईटी और भी बहुत कुछ। मोदी ने क्या किया? उन्हें आकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बताना चाहिए... आपने भले ही पंडित नेहरू के कार्यकाल के रिकॉर्ड को तोड़ा हो, लेकिन पंडित नेहरू के कार्यों के रिकॉर्ड को तोड़ना असंभव नहीं है।

मोदी का विरोध ही इंडिया गठबंधन का एकमात्र लक्ष्य : संजय झा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने 9 जून को विपक्षी गठबंधन इंडिया की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें निजी स्वार्थों को साधने वाले नेताओं का वर्चस्व है और इसमें कोई राष्ट्रीय एजेंडा नहीं है। बिहार के पटना में बोलते हुए झा ने जोर देकर कहा कि गठबंधन का एकमात्र उद्देश्य राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए झा ने कहा कि इंडिया गठबंधन असल में कोई गठबंधन नहीं है। इस गठबंधन में हर कोई एक-दूसरे के खिलाफ बोलता और लड़ता है। डीएमके पार्टी भी भारत गठबंधन में शामिल हुई थी, लेकिन आज वह कहां है। भारत गठबंधन में सिर्फ व्यक्तिगत स्वार्थ भरे हुए हैं। जनता ने उन्हें नकार दिया है।

कर्नाटक में पोर्टफोलियो विवाद फिर उभरा

» एक और मंत्री ने पदभार संभालने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि बेंगलुरु विकास मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा अपने पोर्टफोलियो से असंतुष्ट होकर बीडीए और बीएमआरडीए जैसी प्रमुख एजेंसियों की मांग के साथ दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान से मिले हैं। इस पोर्टफोलियो विवाद ने डीकेएस के लिए नया राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। कांग्रेस हाई कमांड ने वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी को अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए मनाकर एक विवाद को तो सुलझा लिया, लेकिन अब बेंगलुरु विकास मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा को लेकर नया बवाल खड़ा होता दिख रहा है। गौड़ा को बेंगलुरु विकास मंत्रालय सौंपा गया है, लेकिन खबरों के मुताबिक उन्होंने अभी तक कार्यभार नहीं संभाला है।

वे इस बात से नाखुश हैं कि बेंगलुरु विकास प्राधिकरण और बेंगलुरु महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण जैसी महत्वपूर्ण एजेंसियां अभी भी शिवकुमार के नियंत्रण में हैं। सूत्रों के अनुसार, गौड़ा ने कांग्रेस उच्च कमान को अपनी चिंताओं से अवगत कराया है और तर्क दिया है कि बीडीए और बीएमआरडीए के बिना, इस पोर्टफोलियो में अधिकार और सार्थक कार्य करने की गुंजाइश का अभाव है। हालांकि वे ग्रेटर बेंगलुरु विकास पोर्टफोलियो की देखरेख करते हैं, जिसमें ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण के तहत प्रस्तावित पांच नगर निगमों के साथ-साथ बीडब्ल्यूएसएसबी और बीएमआरसीएल जैसी एजेंसियां शामिल हैं, लेकिन वे प्रमुख शहरी नियोजन निकायों की अनुपस्थिति से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं।

बंगाल में टीएमसी में नहीं रुक रहा घमासान

» बीजेपी के इशारे पर टीएमसी को नुकसान पहुंचाया जा रहा है : कल्याण बनर्जी

» टीएमसी सांसद बोले-भगोड़े सांसद गद्दार, जाना है तो जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीएमसी में मुश्किलों का दौर थम नहीं रही है। पहले विधायक टूट कर अलग गुट बनाए अब 20 सांसदों ने अलग होकर एनडीए का साथ देने की बात कही है हालांकि टीएमसी ने इससे इंकार कर दिया है। और भाजपा पर झूठ फैलाने की बात कही है। इस बीच टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी के बागी सांसदों पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब बीजेपी के इशारे पर हो रहा है, उन्होंने बागी सांसदों को गद्दार और भगोड़ा तक कह दिया। कल्याण बनर्जी ने कहा, बागी सांसद सत्ता के बिना नहीं रह सकते हैं, उनको बंगला, गाड़ी और सुरक्षा चाहिए, इसलिए यह सब कर रहे हैं।

गद्दारों में नैतिकता है तो इस्तीफा दे दें और भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ें : कीर्ति आजाद

पार्टी में चल रही बगावत पर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा, हमारे 29 नेता मां, माटी और मानुष के नाम पर चुनाव जीते और सांसद बने। मैं इन गद्दारों से जानना चाहता हूं कि चुनाव के बाद आपने अपनी परेशानियों के बारे में क्यों बात की, पहले क्यों नहीं? शुभेन्दु शेखर रॉय में कम से कम इतनी राजनीतिक नैतिकता तो थी कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया. अगर आप में भी राजनीतिक नैतिकता है तो आप सब भी इस्तीफा दे दें और भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ें।

कीर्ति आजाद ने बागी गुट के स्पीकर को चिट्ठी देने को लेकर कहा, काकोली घोष जिस चिट्ठी की बात कर रही हैं, वो अब तक किसी के सामने नहीं आ रही. लोकसभा स्पीकर ऑफिस का भी कहना है कि कोई चिट्ठी नहीं मिली, लेकिन जिस तरह से ये लोग भूपेंद्र यादव (बीजेपी सांसद) के घर गये, उससे साबित हो गया कि वो बीजेपी के साथ मिल गये, कितने मिले, कैसे मिले, ये सब नहीं कह सकते लेकिन अब उनके नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बन गये हैं, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी उनकी नेता नहीं रहीं।

ममता बनर्जी काकोली की नेता नहीं रहीं

बीजेपी में विलय करना होगा

पार्टी में विद्रोह पर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, आपके (भाजपा) पास मुख्यमंत्री, ईडी, सीबीआई और अन्य शक्तियां हैं, लेकिन मेरे पास मां, माटी, मानुष, मेरी पार्टी, मेरे पार्टी कार्यकर्ता और पश्चिम बंगाल की जनता है। टीएमसी नेता ने कहा, बागी गुट के पास 20-21-22-23 कितने भी सांसद क्यों न हो अगर उनको संविधान के 10वे शेड्यूल के तहत दल बदल से बचना है तो उनको बीजेपी में विलय करना होगा।

ध्रुवीकरण के लिए मेरे खिलाफ यूसुफ को उतरा था : अधीर रंजन

बंगाल की बहरामपुर सीट से टीएमसी सांसद यूसुफ पठान ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले हैं। इस पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने मेरे खिलाफ यूसुफ पठान को उतारकर ध्रुवीकरण की राजनीति का सहारा लिया। बता दें कि यूसुफ ने बहरामपुर में अधीर रंजन को हराकर ही जीत हासिल की थी।

अधीर रंजन चौधरी ने कहा, करोड़ों रुपये खर्च करके उन्हें मुझे हराने और ध्रुवीकरण की राजनीति करने के लिए तैनात किया गया था। वह खुद वहां गईं और इस व्यक्ति को उम्मीदवार बनाकर प्रचार शुरू कर दिया, लोगों से मुस्लिम उम्मीदवार को वोट देने की अपील की. आप इतने सालों से हिंदुओं को वोट देते आ रहे हैं। इस बार, इसे वोट दें। कांग्रेस नेता की ओर से ये बयान ऐसे समय में आया है, जब यूसुफ पठान का नाम उन सांसदों में शामिल है, जो ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले हैं।

महुआ मोइत्रा का यूसुफ पर तंज- थोड़ी शर्म करो

यूसुफ पठान के ममता बनर्जी का साथ छोड़ने पर कृष्णानगर से टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी खरी-खोटी सुनाईं। महुआ ने कहा कि हमारे जिले ने आपको भारी बहुमत से जिताया है. थोड़ी शर्म करो और थोड़ा साहस दिखाओ।

पंजाब से लेकर केरल तक ईडी के छापे से आगबबूला हुआ विपक्ष

» केजरीवाल बोले- जानबूझकर पंजाब के हिंदू व्यापारियों को निशाना बनाया जा रहा है

» विजयन ने कहा-भाजपा अपने विपक्षियों को बस डराना चाहती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब से लेकर केरल तक हुई ईडी की छापेमारी के बाद सियासी बवाल मच गया है। जंहा पंजाब में आप से जुड़े कारोबारी अमित बजाज के यहां ईडी की छापेमारी के बाद अरविंद केजरीवाल ने केंद्र पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी जानबूझकर पंजाब के हिंदू व्यापारियों को निशाना बनाकर परेशान कर रही है और यह कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है। आप ने इसे हिंदू व्यापारियों में डर पैदा करने की कोशिश बताया है।

वहीं केरल में ईडी ने सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पिनारयी विजयन की बेटी वीना टी को शुक्रवार को पूछताछ के लिए तलब किया है। इस पर केरल के नेता विजयन ने कहा भाजपा अपने विपक्षियों को बस डराना चाहती है। सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने भाजपा और केंद्रीय एजेंसी पर हमला करते हुए पोस्ट किया कि ईडी पार्टी आज फिर पंजाब में हिंदू व्यापारियों पर छापे मार रही है। ईडी पार्टी पंजाब के छोटे हिंदू व्यापारियों को परेशान कर रही है। मैं सभी व्यापारियों से अपील करता हूं - घबराने की कोई जरूरत नहीं है, पूरा पंजाब और पंजाब सरकार आपके साथ है, हम सब मिलकर ईडी पार्टी का सामना करेंगे। अन्य आप नेताओं ने भी इसी तरह के पोस्ट करने शुरू कर दिए।

जालंधर के कारोबारी हैं अमित बजाज

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जालंधर के कारोबारी अमित बजाज के आवास और अन्य संबंधित स्थानों पर छापा मारा, जो आम आदमी पार्टी के करीबी माने जाते हैं। ईडी के अधिकारी मंगलवार सुबह न्यू जवाहर नगर इलाके में बजाज के आवास और उनके कार्यालय पहुंचे। बजाज जालंधर नगर निगम के लिए एक प्रमुख ठेकेदार के रूप में काम करते हैं और राजनीतिक गलियारों में आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेताओं से उनकी करीबी जगजाहिर है।

विजयन की बेटी को ईडी ने किया तलब

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल-एक्सालॉजिक वित्तीय लेनदेन मामले में वीना टी को समन जारी कर शुक्रवार को कोच्चि स्थित अपने कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश दिया है। सूत्रों के अनुसार, चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत वीना समेत नौ लोगों को समन जारी किए गए हैं। इससे पहले, ईडी ने मामले के सिलसिले में की गई तलाशी के दौरान वीना से पूछताछ की थी। सूत्रों ने बताया कि उस समय दिए गए कुछ जवाबों की स्पष्टता से एजेंसी संतुष्ट नहीं थी, जिसके बाद उन्हें कोच्चि कार्यालय में पेश होने के लिए समन भेजा गया। यह पहली बार है जब ईडी ने इस मामले में वीना को औपचारिक रूप से पूछताछ के लिए समन भेजा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का यह कदम हाल ही में हुए कानूनी घटनाक्रमों के बाद उठाया गया है, जिससे एजेंसी का पक्ष और मजबूत हुआ है। हाल ही में, उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने ईडी की जांच रोकने की मांग वाली सीएमआरएल की अपील को खारिज कर दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि प्रवर्तन निदेशालय अपनी जांच जारी रख सकता है और जांच में कोई कानूनी बाधा नहीं है। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, ईडी ने शनिवार को कॉर्पोरेट अपराधों से संबंधित विशेष न्यायालय से सीएमआरएल और एक्सालॉजिक के बीच हुए समझौतों सहित रिकॉर्ड मांगे। ये रिकॉर्ड मनी लॉन्ड्रिंग की चल रही जांच के अंतर्गत मांगे गए हैं। इससे पहले, एजेंसी ने उनके पिता और विपक्ष के नेता पिनारयी विजयन, उनके पति और विधायक मोहम्मद रियास और सीएमआरएल के प्रबंध निदेशक से जुड़े आवासों पर छापेमारी की थी।

जयपुर में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजधानी जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक घर में संचालित पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लगने और विस्फोट होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जिस मकान में हादसा हुआ, वहां घर के भीतर ही पटाखा निर्माण का काम चल रहा था। अचानक आग लगने के बाद तेज धमाके हुए, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, सिविल डिफेंस, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने तीन लोगों की जलने से मौत की पुष्टि की है। वहीं पांच घायलों को उपचार के लिए जयपुरिया अस्पताल और एसएमएस अस्पताल भेजा गया है। इनमें से तीन घायलों को एसएमएस अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है।

महाराष्ट्र के जलगांव में भीषण सड़क हादसा

» कार और बाइक की टक्कर में 6 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव जिले से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

पुलिस ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब 7 बजे जलगांव के अमलनेर इलाके में लोंढे फाटा के पास हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि आवाज सुनकर आस-पास के लोग तुरंत मौके पर दौड़ पड़े। शुरुआती जानकारी के अनुसार कार में सवार लोग गुजरात से आ रहे थे और महाराष्ट्र में एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान लोंढे फाटा के पास उनकी कार सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल से टकरा गई।

फोटो: 4 पीएम

बड़ा मंगल

लखनऊ। ज्येष्ठ माह के छठे मंगल पर मंगलवार को पूरी राजधानी भक्तिमय रहा। श्रद्धालुओं ने भव्य टेंट लगाकर भगवान हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने बजरंगबली के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

पेपर लीक मामले में सीजेआई को लिखेंगे पत्र: खरगे

» एकबार फिर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इंडिया ब्लॉक ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला किया है, जिसमें मतों की लूट और चुनावी धांधली का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर, मतों की लूट और चुनाव में धांधली को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने पर सहमति बनी है। यह पत्र जल्द ही भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंप दिया जाएगा।

खरगे ने यह भी कहा कि इंडिया ब्लॉक ने सर्वसम्मति से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने का संकल्प लिया है, क्योंकि उन पर नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को प्रभावित करने वाली कथित अनियमितताएं हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी है क्योंकि उन्होंने नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले लाखों युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खर्गे ने युवा, संस्थागत अखंडता और एक सतत संयुक्त विपक्षी मोर्चे पर केंद्रित गठबंधन की तत्काल कार्य योजना का विस्तृत विवरण दिया। खरगे ने आगे कहा कि गठबंधन के सहयोगी अब राष्ट्रीय राजनीति की समीक्षा और रणनीति समन्वय के लिए हर दो महीने में मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेताओं की अगली औपचारिक बैठक 8 अगस्त को तय की गई है और भविष्य की तिथियों का निर्णय समय-समय पर लिया जाएगा और सूचित किया जाएगा।

संसद के मानसून सत्र से पहले गठबंधन अपनी विधायी रणनीति को भी मजबूत कर रहा है। गठबंधन के सभी सहयोगियों की रणनीति बैठकें विपक्ष के नेता (एलओपी) के कार्यालय में नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी ताकि सत्ता पक्ष के खिलाफ दैनिक आधार पर एक एकजुट मोर्चा सुनिश्चित किया जा सके।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा